

Pradeep

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 05/03/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/03/2019
 गुरुवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 07:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:09:05 घंटे
 घटी 02:26:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 14:41:53 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jeypore : _____ स्थान _____ : Jeypore
 उत्तर 18:52:00 : _____ अक्षांश _____ : 18:52:00 उत्तर
 पूर्व 82:38:00 : _____ रेखांश _____ : 82:38:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:00:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:00:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:16:31 : _____ सूर्योदय _____ : 06:16:19
 18:05:58 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:06:03
 23:40:37 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:07:15
 मीन : _____ लग्न _____ : वृष
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 मेष : _____ राशि _____ : कुम्भ
 मंगल : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 भरणी : _____ नक्षत्र _____ : धनिष्ठा
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
 3 : _____ चरण _____ : 4
 ऐन्द्र : _____ योग _____ : शिव
 कौलव : _____ करण _____ : शकुनि
 ले-लेखपाल : _____ जन्म नामाक्षर _____ : गे-गैरी
 मीन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मीन
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : मानव
 गज : _____ योनि _____ : सिंह
 मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 32 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 33

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:48:46	मीन			लग्न			वृष	29:59:56	2	मृगशिरा
पू०भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ			सूर्य			कुंभ	20:16:24	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष			चंद्र			कुंभ	05:07:39	4	धनिष्ठा
भरणी	1	14:53:27	मेष			मंगल			मेष	18:33:27	2	भरणी
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ	व	अ	बुध			मीन	05:30:37	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	06:52:00	मीन			गुरु			वृश्चि	28:13:39	4	ज्येष्ठा
उत्तराषाढा	4	08:21:49	मक			शुक्र			मक	10:07:21	1	श्रवण
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि			शनि			धनु	23:58:48	4	पूर्वाषाढा
रेवती	1	18:06:07	मीन			राहु	व		कर्क	01:47:12	4	पुनर्वसु
हस्त	3	18:06:07	कन्या			केतु	व		मक	01:47:12	2	उत्तराषाढा
मूल	1	02:43:48	धनु			मु			वृश्चि	07:48:46	2	अनुराधा

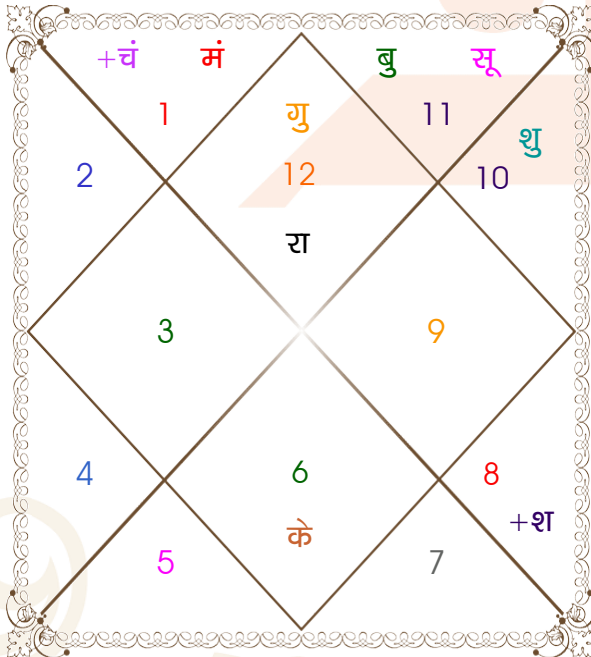
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

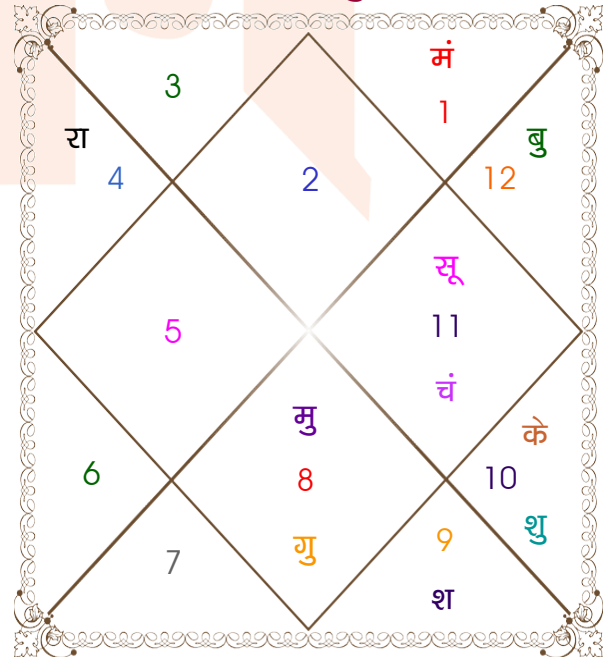
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:15

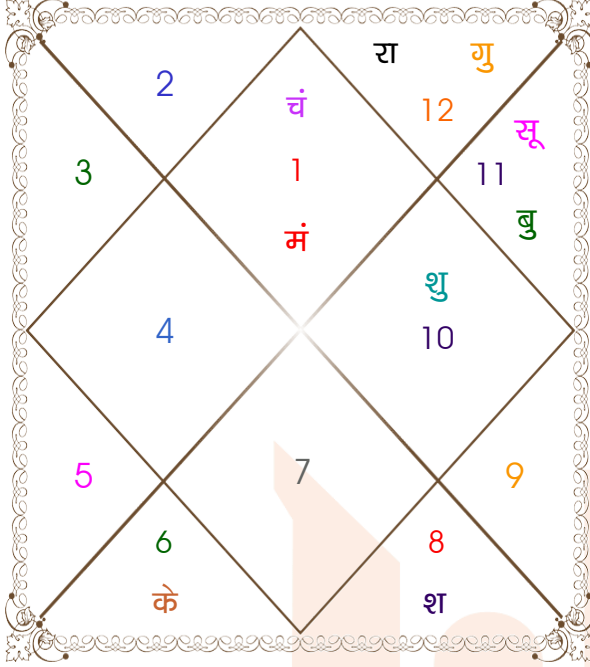
लग्न-चलित



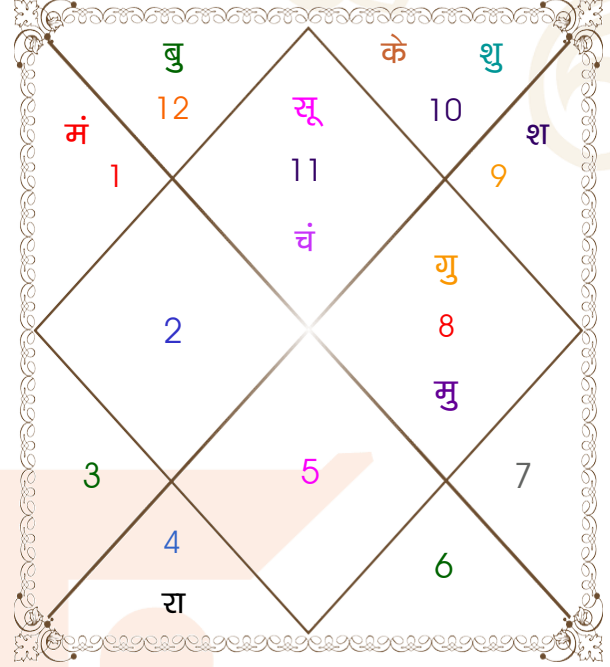
वर्ष लग्न कुंडली



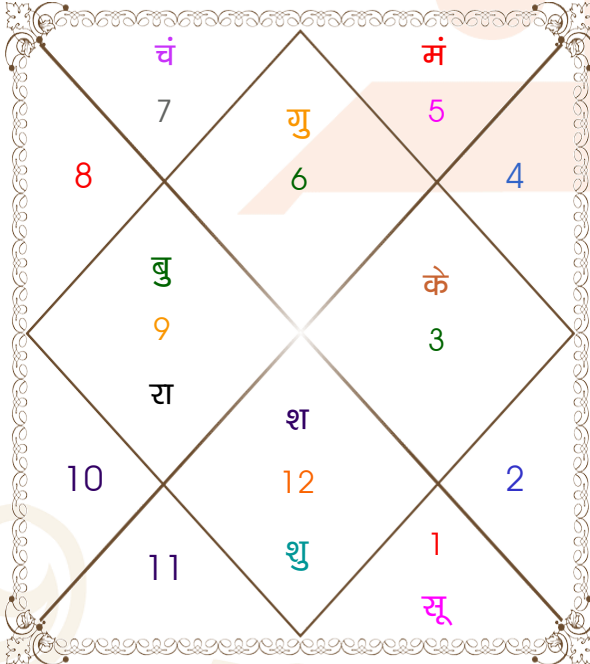
चन्द्र कुंडली



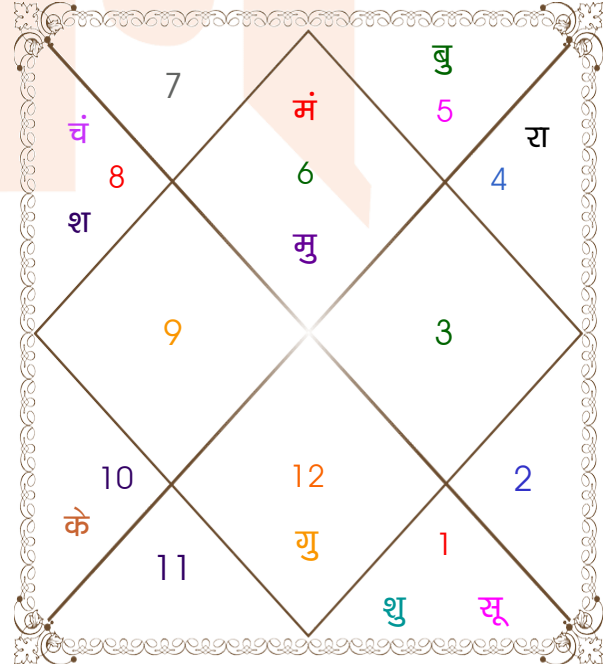
वर्ष चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



वर्ष नवमांश कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	सम	सम	सम	---	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र	सम
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृष	कुंभ	कुंभ	मेष	मीन	वृश्चि	मक	धनु
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मक	कर्क	तुला	सिंह	मक	वृष	वृश्चि	कुंभ
चतुर्थांश	कुंभ	सिंह	कुंभ	तुला	मीन	सिंह	मेष	कन्या
पंचमांश	वृश्चि	मिथु	मेष	मिथु	वृष	वृश्चि	कन्या	मिथु
षष्ठांश	मीन	सिंह	वृष	कर्क	वृश्चि	मीन	धनु	सिंह
सप्तमांश	वृष	मिथु	मीन	सिंह	तुला	वृश्चि	कन्या	वृष
अष्टमांश	मीन	मक	कन्या	सिंह	मिथु	मीन	मिथु	वृश्चि
नवमांश	कन्या	मेष	वृश्चि	कन्या	सिंह	मीन	मेष	वृश्चि
दशमांश	तुला	सिंह	मीन	तुला	धनु	मेष	धनु	कर्क
एकादशांश	कुंभ	सिंह	कुंभ	कन्या	मेष	सिंह	मीन	कर्क
द्वादशांश	मेष	तुला	मेष	वृश्चि	वृष	तुला	वृष	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	सम	सम	सम
होरा	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	सम	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
षष्ठांश	स्व	सम	मित्र	सम	स्व	मित्र	मित्र
सप्तमांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम
अष्टमांश	मित्र	सम	मित्र	स्व	स्व	मित्र	मित्र
नवमांश	मित्र	मित्र	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र
दशमांश	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र
एकादशांश	स्व	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
द्वादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु
शुभ	7	6	7	7	5	7	7
सम	3	3	3	4	4	2	2
अशुभ	2	3	2	1	3	3	3
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	5	0	0	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	15	0	5	5	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	बली	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	22.50	30.00	22.50	15.00	15.00	15.00
उच्च बल	14.47	10.24	11.05	1.05	4.09	11.46	12.89
हृदय बल	11.25	7.50	15.00	11.25	7.50	11.25	11.25
द्रेष्काण	2.50	5.00	7.50	2.50	7.50	2.50	10.00
नवमांश	3.75	3.75	2.50	2.50	5.00	1.25	3.75
कुल	54.47	48.99	66.05	39.80	39.09	41.46	52.89
विंशोपक	13.62	12.25	16.51	9.95	9.77	10.36	13.22
बल	शुभ	शुभ	बली	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	9.77	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	10.36	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	16.51	दृष्टि नहीं	शुक्र
दिवापति	शनि	13.22	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	10.36	अतिशुभ	

पात्यंश दशा

चंद्र	बुध	शुक्र	मंगल	सूर्य
05/03/2019	06/05/2019	11/05/2019	06/07/2019	17/10/2019
06/05/2019	11/05/2019	06/07/2019	17/10/2019	07/11/2019
चंद्र 16/03/2019	बुध 06/05/2019	शुक्र 20/05/2019	मंगल 04/08/2019	सूर्य 18/10/2019
बुध 16/03/2019	शुक्र 07/05/2019	मंगल 05/06/2019	सूर्य 10/08/2019	शनि 21/10/2019
शुक्र 26/03/2019	मंगल 09/05/2019	सूर्य 08/06/2019	शनि 23/08/2019	गुरु 24/10/2019
मंगल 13/04/2019	सूर्य 09/05/2019	शनि 15/06/2019	गुरु 06/09/2019	लग्न 25/10/2019
सूर्य 16/04/2019	शनि 09/05/2019	गुरु 23/06/2019	लग्न 12/09/2019	चंद्र 28/10/2019
शनि 24/04/2019	गुरु 10/05/2019	लग्न 26/06/2019	चंद्र 30/09/2019	बुध 29/10/2019
गुरु 03/05/2019	लग्न 10/05/2019	चंद्र 06/07/2019	बुध 01/10/2019	शुक्र 01/11/2019
लग्न 06/05/2019	चंद्र 11/05/2019	बुध 06/07/2019	शुक्र 17/10/2019	मंगल 07/11/2019

शनि	गुरु	लग्न	लग्न	लग्न
07/11/2019	22/12/2019	12/02/2020	12/02/2020	12/02/2020
22/12/2019	12/02/2020	04/03/2020	04/03/2020	04/03/2020
शनि 12/11/2019	गुरु 29/12/2019	लग्न 13/02/2020	लग्न 13/02/2020	लग्न 13/02/2020
गुरु 19/11/2019	लग्न 01/01/2020	चंद्र 17/02/2020	चंद्र 17/02/2020	चंद्र 17/02/2020
लग्न 21/11/2019	चंद्र 10/01/2020	बुध 17/02/2020	बुध 17/02/2020	बुध 17/02/2020
चंद्र 29/11/2019	बुध 11/01/2020	शुक्र 20/02/2020	शुक्र 20/02/2020	शुक्र 20/02/2020
बुध 30/11/2019	शुक्र 19/01/2020	मंगल 26/02/2020	मंगल 26/02/2020	मंगल 26/02/2020
शुक्र 07/12/2019	मंगल 02/02/2020	सूर्य 28/02/2020	सूर्य 28/02/2020	सूर्य 28/02/2020
मंगल 19/12/2019	सूर्य 05/02/2020	शनि 01/03/2020	शनि 01/03/2020	शनि 01/03/2020
सूर्य 22/12/2019	शनि 12/02/2020	गुरु 04/03/2020	गुरु 04/03/2020	गुरु 04/03/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
05/03/2019	23/04/2019	20/06/2019	10/08/2019	01/09/2019
23/04/2019	20/06/2019	10/08/2019	01/09/2019	31/10/2019
गुरु 11/03/2019	शनि 02/05/2019	बुध 27/06/2019	केतु 12/08/2019	शुक्र 11/09/2019
शनि 19/03/2019	बुध 10/05/2019	केतु 30/06/2019	शुक्र 15/08/2019	सूर्य 14/09/2019
बुध 26/03/2019	केतु 13/05/2019	शुक्र 09/07/2019	सूर्य 16/08/2019	चंद्र 19/09/2019
केतु 29/03/2019	शुक्र 23/05/2019	सूर्य 11/07/2019	चंद्र 18/08/2019	मंगल 22/09/2019
शुक्र 06/04/2019	सूर्य 26/05/2019	चंद्र 15/07/2019	मंगल 19/08/2019	राहु 02/10/2019
सूर्य 09/04/2019	चंद्र 31/05/2019	मंगल 18/07/2019	राहु 22/08/2019	गुरु 10/10/2019
चंद्र 13/04/2019	मंगल 03/06/2019	राहु 26/07/2019	गुरु 25/08/2019	शनि 19/10/2019
मंगल 15/04/2019	राहु 12/06/2019	गुरु 02/08/2019	शनि 29/08/2019	बुध 28/10/2019
राहु 23/04/2019	गुरु 20/06/2019	शनि 10/08/2019	बुध 01/09/2019	केतु 31/10/2019

सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	गुरु
31/10/2019	19/11/2019	19/12/2019	09/01/2020	04/03/2020
19/11/2019	19/12/2019	09/01/2020	04/03/2020	00/00/0000
सूर्य 01/11/2019	चंद्र 21/11/2019	मंगल 20/12/2019	राहु 18/01/2020	गुरु 04/03/2020
चंद्र 03/11/2019	मंगल 23/11/2019	राहु 24/12/2019	गुरु 25/01/2020	00/00/0000
मंगल 04/11/2019	राहु 28/11/2019	गुरु 26/12/2019	शनि 03/02/2020	00/00/0000
राहु 07/11/2019	गुरु 02/12/2019	शनि 30/12/2019	बुध 10/02/2020	00/00/0000
गुरु 09/11/2019	शनि 06/12/2019	बुध 02/01/2020	केतु 14/02/2020	00/00/0000
शनि 12/11/2019	बुध 11/12/2019	केतु 03/01/2020	शुक्र 23/02/2020	00/00/0000
बुध 15/11/2019	केतु 13/12/2019	शुक्र 07/01/2020	सूर्य 25/02/2020	00/00/0000
केतु 16/11/2019	शुक्र 18/12/2019	सूर्य 08/01/2020	चंद्र 01/03/2020	00/00/0000
शुक्र 19/11/2019	सूर्य 19/12/2019	चंद्र 09/01/2020	मंगल 04/03/2020	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - शुक्र 04/06/2019 10:34 28/10/2019 12:58	राहु - गुरु - सूर्य 28/10/2019 12:58 11/12/2019 08:53	राहु - गुरु - चंद्र 11/12/2019 08:53 22/02/2020 10:05	राहु - गुरु - मंगल 22/02/2020 10:05 13/04/2020 13:19
शुक्र 28/06/2019 18:58 सूर्य 06/07/2019 02:17 चंद्र 18/07/2019 06:29 मंगल 26/07/2019 19:01 राहु 17/08/2019 16:59 गुरु 06/09/2019 04:30 शनि 29/09/2019 07:41 बुध 20/10/2019 00:25 केतु 28/10/2019 12:58	सूर्य 30/10/2019 17:33 चंद्र 03/11/2019 09:13 मंगल 05/11/2019 22:35 राहु 12/11/2019 12:22 गुरु 18/11/2019 08:37 शनि 25/11/2019 07:11 बुध 01/12/2019 12:12 केतु 04/12/2019 01:34 शुक्र 11/12/2019 08:53	चंद्र 17/12/2019 10:59 मंगल 21/12/2019 17:15 राहु 01/01/2020 16:14 गुरु 11/01/2020 09:59 शनि 22/01/2020 23:35 बुध 02/02/2020 07:57 केतु 06/02/2020 14:13 शुक्र 18/02/2020 18:25 सूर्य 22/02/2020 10:05	मंगल 25/02/2020 09:40 राहु 04/03/2020 01:45 गुरु 10/03/2020 21:23 शनि 18/03/2020 23:42 बुध 26/03/2020 05:34 केतु 29/03/2020 05:09 शुक्र 06/04/2020 17:41 सूर्य 09/04/2020 07:03 चंद्र 13/04/2020 13:19
राहु - गुरु - राहु 13/04/2020 13:19 23/08/2020 01:05	राहु - शनि - शनि 23/08/2020 01:05 03/02/2021 20:44	राहु - शनि - बुध 03/02/2021 20:44 01/07/2021 08:01	राहु - शनि - केतु 01/07/2021 08:01 31/08/2021 01:21
राहु 03/05/2020 06:41 गुरु 20/05/2020 19:27 शनि 10/06/2020 15:07 बुध 29/06/2020 06:11 केतु 06/07/2020 22:16 शुक्र 28/07/2020 20:14 सूर्य 04/08/2020 10:01 चंद्र 15/08/2020 09:00 मंगल 23/08/2020 01:05	शनि 18/09/2020 03:24 बुध 11/10/2020 11:47 केतु 21/10/2020 02:31 शुक्र 17/11/2020 13:48 सूर्य 25/11/2020 19:35 चंद्र 09/12/2020 13:13 मंगल 19/12/2020 03:58 राहु 12/01/2021 21:19 गुरु 03/02/2021 20:44	बुध 24/02/2021 18:08 केतु 05/03/2021 08:35 शुक्र 29/03/2021 22:28 सूर्य 06/04/2021 07:26 चंद्र 18/04/2021 14:22 मंगल 27/04/2021 04:50 राहु 19/05/2021 07:43 गुरु 07/06/2021 23:37 शनि 01/07/2021 08:01	केतु 04/07/2021 21:01 शुक्र 14/07/2021 23:55 सूर्य 18/07/2021 00:47 चंद्र 23/07/2021 02:14 मंगल 26/07/2021 15:14 राहु 04/08/2021 17:50 गुरु 12/08/2021 20:09 शनि 22/08/2021 10:54 बुध 31/08/2021 01:21
राहु - शनि - शुक्र 31/08/2021 01:21 20/02/2022 13:12	राहु - शनि - सूर्य 20/02/2022 13:12 13/04/2022 14:22	राहु - शनि - चंद्र 13/04/2022 14:22 09/07/2022 08:17	राहु - शनि - मंगल 09/07/2022 08:17 08/09/2022 01:38
शुक्र 28/09/2021 23:20 सूर्य 07/10/2021 15:31 चंद्र 22/10/2021 02:31 मंगल 01/11/2021 05:24 राहु 27/11/2021 05:59 गुरु 20/12/2021 09:10 शनि 16/01/2022 20:26 बुध 10/02/2022 10:19 केतु 20/02/2022 13:12	सूर्य 23/02/2022 03:40 चंद्र 27/02/2022 11:46 मंगल 02/03/2022 12:38 राहु 10/03/2022 08:00 गुरु 17/03/2022 06:33 शनि 25/03/2022 12:20 बुध 01/04/2022 21:18 केतु 04/04/2022 22:10 शुक्र 13/04/2022 14:22	चंद्र 20/04/2022 19:51 मंगल 25/04/2022 21:18 राहु 08/05/2022 21:35 गुरु 20/05/2022 11:11 शनि 03/06/2022 04:49 बुध 15/06/2022 11:45 केतु 20/06/2022 13:12 शुक्र 05/07/2022 00:11 सूर्य 09/07/2022 08:17	मंगल 12/07/2022 21:18 राहु 21/07/2022 23:54 गुरु 30/07/2022 02:13 शनि 08/08/2022 16:58 बुध 17/08/2022 07:25 केतु 20/08/2022 20:26 शुक्र 30/08/2022 23:19 सूर्य 03/09/2022 00:11 चंद्र 08/09/2022 01:38

अथ वर्षशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्धेश, त्रिराशिपति एवं दिवारत्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यों को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे। मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा। अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

05/03/2019 12:09:05 से 04/04/2019 16:37:04 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रुचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

04/04/2019 16:37:04 से 05/05/2019 09:34:51 तक

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे। अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा। फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदा आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबन्धित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

05/05/2019 09:34:51 से 05/06/2019 13:29:40 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग

की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

05/06/2019 13:29:40 से 06/07/2019 23:42:12 तक

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबन्धी कार्यों को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम मास

06/07/2019 23:42:12 से 07/08/2019 09:40:54 तक

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते हैं। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबन्धी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से

आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

07/08/2019 09:40:54 से 07/09/2019 12:57:28 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे। अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास

07/09/2019 12:57:28 से 08/10/2019 05:02:17 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी। उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रुचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

08/10/2019 05:02:17 से 07/11/2019 08:36:38 तक

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

07/11/2019 08:36:38 से 07/12/2019 01:42:36 तक

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

दशम् मास

07/12/2019 01:42:36 से 05/01/2020 12:59:43 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति

आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

05/01/2020 12:59:43 से 04/02/2020 00:30:46 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

04/02/2020 00:30:46 से 04/03/2020 18:15:13 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबन्धी कार्यों को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा

उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।

